मानसून सत्र-2023 के समापन अवसर पर

माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन

शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023

पंचम विधान सभा का यह **चार दिवसीय सत्र दिनांक 18 जुलाई 2023 से 21 जुलाई 2023** के मध्य आहुत रहा, सामान्य तौर पर एक दृष्टि से यह पंचम विधान सभा का अंतिम सत्र भी है। इस सत्र में कुल **4 बैंठके** हुई । इस सत्र के सुव्यस्थित संचालन के लिए मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं आप सभी माननीय सदस्यगणों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

मुझे स्मरण है कि **4 जनवरी 2019** को जब आप सबने सर्व सहमति से मुझे इस आसंदी पर बैठाया था, तब मैंने अपने पहले उद्बोधन में **पूज्य कबीर साहेब जी** के इस दोहे का उल्लेख किया था कि

कबीरा खड़ा बाजार में, सबकी मांगे खैर।
ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ।।

मैंने विधानसभा अध्यक्ष के अब तक के कार्यकाल में उपरोक्त पंक्तियों को आत्मसात् करते हुए, आपके द्वारा प्रदत्त दायित्वों का पूर्ण ईमानदारी के साथ निर्वहन करने का प्रयास किया है। मुझे आपने सदन के अध्यक्ष की महती जवाबदारी सौंपी थी, मेरी यह पूरी कोशिश रही कि मैं आपके इस विश्वास को बनायें रख सकूं। मैं स्वयं का मूल्यांकन करूं यह उचित नहीं है, इसलिए मेरे कार्यों का मूल्यांकन आप सभी कर सकते हैं, और मेरे कार्यों के प्रति जो आपका दृष्टिकोण होगा, जो मूल्यांकन होगा, उसे ही मैं अपना वास्तविक मूल्यांकन मानूंगा।

पंचम विधानसभा के अपने विधानसभा अध्यक्षीय कार्यकाल को मैं अपने राजनैतिक और संसदीय जीवन की एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानता हूँ। इस अवधि में राज्य के 89 जनप्रतिनिधियों से मुझे उनके ज्ञान और अनुभव से लाभांवित होने का अवसर प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ की पंचम विधानसभा के कार्यकाल की मैं इसलिए भी प्रशंसा करता हूँ, और स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि लगभग अपने पूरे कार्यकाल में इस विधानसभा ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए उसके सम्मान और स्वाभिमान के लिए आप सभी ने सामूहिक रूप से अपना अधिकतम योगदान दिया।

यह उल्लेखनीय है कि पंचम विधानसभा के कालखंड में ही **कोरोना** जैसी महामारी की त्रासदी को हम सभी ने देखा विषम परिस्थितियों में भी आप माननीय सदस्यगणों ने अपने संसदीय दायित्वों को बड़े ही साहस के साथ पूर्ण किया। लगभग **06** सत्रों में **कोरोना महामारी की सुरक्षा गाईडलाईन का पालन** करते हुए, हमने बैंठके सम्पन्न कीं, जनसेवा के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का यह जीवंत उदाहरण है।

पंचम विधानसभा के कार्यकाल में कुछ हमारे लिए दुखद स्मृतियां भी जुड़ी जब इस सदन के सदस्य माननीय **श्री भीमा मण्डावी जी, माननीय श्री अजीत जोगी जी, माननीय श्री देवव्रत सिंह जी, माननीय श्री मनोज मण्डावी जी एवं माननीय श्री विद्यारतन भसीन जी** का असमय निधन हुआ। मैं इन सभी स्वर्गीय माननीय सदस्यगणों को एक बार पुनः स्मरण करते हुए, अपनी ओर से और इस सदन की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पंचम विधानसभा का कार्यकाल इतिहास में अपनी उपलब्धियों के लिए स्मरण किया जायेगा। इस कार्यकाल में **राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती** के अवसर पर विशेष सत्र आहूत हुआ, **26 नवम्बर संविधान दिवस** के अवसर पर विशेष चर्चा हुई, **महिला दिवस के दिन सभा** की कार्यवाही सदन की महिला सदस्यगणों को चर्चा हेतु विशेष अवसर दिया गया। **कोरोना महामारी** के समय, विधानसभा में विशेष **कंट्रोल रूम** स्थापित किया गया। इस कार्यकाल में विधानसभा के पदाधिकारी एवं माननीय मंत्रिगणों के कक्षों को गरिमा अनुरूप स्वरूप दिया गया। **झीरम नक्सली घटना** में आहत एवं प्रभावितों के पारिवारिक सदस्यगणों का सम्मान विधानसभा में किया गया। यह उल्लेखनीय है कि इस विधान सभा के कार्यकाल में आदिवासी बाहुल्य हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में आदिवासियों के अधिकारों को संरक्षित करने के उद्देश्य से **विशेष सत्र** आहूत हुआ। इस प्रकार की बहुत सारी ऐसी उपलब्धियां हैं, जिनसे पंचम विधानसभा के कार्यकाल को हमेशा सम्मान से स्मरण किया जायेगा।

संसदीय लोकतंत्र का यह रथ पक्ष और प्रतिपक्ष रूपी दो पहियों के सहारे चलता हैं, बिना सजग प्रतिपक्ष के लोकतंत्र की कल्पना अधूरी है, मैं प्रशंसा करता हूँ हमारे प्रतिपक्ष के माननीय अनुभव सम्पन्न संसदीय ज्ञान से परिपूर्ण माननीय सदस्यगणो का जिन्होंने लगभग सभी सत्रों में सजग और जीवंत प्रतिपक्ष के भाव को बनाएं रखा । पक्ष के माननीय सदस्यगणों को इस बात के लिए बधाई देता हूँ कि आप संख्या बल में प्रभावी होने के बावजूद आपने सभी सत्रों में सहृदयता और सद्भावना का भाव बनायें रखा।

आज सत्र के अंतिम दिवस अविश्वास प्रस्ताव पर लगभग 12 घंटे 30 मिनट चर्चा हुई। अब मैं आपको इस मानसून सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा।

इस सत्र के कुल 4 दिवसों में लगभग 25 घंटे 30 मिनट चर्चा हुई। 4 बैठकों में 27 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 7 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में 274 तारांकित प्रश्न एवं 276 अतारांकित प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुइंर्, इस प्रकार कुल 550 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। यहाँ यह सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि वर्तमान सत्र में हमारे जागरूक माननीय सदस्यों द्वारा लगभग 94 प्रतिशत प्रश्न ऑनलाईन माध्यम से लगाए गए । इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 140 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 40 सूचनाएं ग्राह्य हुईं । इस सत्र में कुल 42 स्थगन की सूचनाएं प्राप्त हुई। नियम 267-क के अंतर्गत शून्यकाल की 25 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 9 सूचनाएं ग्राह्य एवं 1 सूचना ध्यानाकर्षण में परिवर्तित हुई । वर्तमान सत्र में 43 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 13 ग्राह्य, 24 अग्राह्य एवं 6 विचाराधीन रहीं। इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 4 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 3 घंटे 41 मिनट चर्चा हुई।

जैसा कि आपको विदित है, कल दिनांक 22 जुलाई 2023 को **उत्कृष्टता अलंकरण समारोह** एवं पंचम विधानसभा के माननीय सदस्यगणों का विदाई समारोह माननीय राज्यपाल **श्री विश्व भूषण हरिचंदन जी** के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगा। आप सभी से मेरा यह सादर अनुरोध है कि इस आयोजन में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनावें। इस वर्ष का **उत्कृष्टता अलंकरण समारोह** इसलिए भी विशेष है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अब तक के इतिहास में यह प्रथम अवसर जब पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ही ओर से माननीय महिला सदस्यों का चयन किया गया है। अर्थात् दूसरे अर्थों में यह मातृशक्ति का सम्मान समारोह भी है। इसलिए इस कार्यक्रम में आप सभी की उपस्थिति सादर अपेक्षित है। मंचीय कार्यक्रम के उपरांत माननीय विधायकगण अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति भी देंगे।

जैसा कि मैंने पूर्व में ही उल्लेख किया कि यह संभावित रूप से पंचम विधानसभा का अंतिम सत्र है। मैं आप सभी सदस्यों के उज्जवल, सफल संसदीय राजनैतिक भविष्य की शुभकामनाएं देता हूँ।

मैं इस अवसर पर **माननीय उपाध्यक्ष** एवं सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया। मैं **सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया** के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

सत्र की पूर्णता के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव **श्री अमिताभ जैन** सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधान सभा के सचिव **श्री दिनेश शर्मा**, सहित विधानसभा सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। हम सब छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृत संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ।

धन्यवाद

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़